साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24							
CLASS - 8 SUBJECT - इतिहास							
क्रम संख्या	पाठ का नाम	पृष्ठ-संख्या	माह एवं कार्य दिवस	सप्ताह	पाठ के उप विषयवस्तु	पृष्ठ-संख्या	Competency / L.O.
1	आधुनिक काल में भारत का इतिहास	1 से 13	जून 2023	प्रथम	आधुनिक काल में भारत का इतिहास,इतिहास में तारीख का महत्व,विज्ञापनों का रुचियों पर प्रभाव	1-4	1.स्रोतों के इस्तेमाल,भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रयुक्त नामावली और व्यापक बदलावों के आधार पर आधुनिक काल का मध्य काल और प्राचीन काल से अंतर करते हैं|
				द्वितीय	तारीखें क्यों हो जाती हैं महत्वपूर्ण,आधुनिक भारत के भौगोलिक भूभाग,कैसे तय की जाती है अवधियाँ	4-6	
				तृतीय	औपनिवेशिकता क्या है,आधुनिक ऐतिहासिक स्रोत,सर्वेक्षण का प्रचलन,अधिकृत रिकार्ड्स	7-11	
				चतुर्थ	अभ्यास ,पुनरावृति	12-13	
2	व्यापार से साम्राज्य तक	14 से 28	जुलाई	प्रथम	ईस्ट इंडिया कंपनी का आगमन, कंपनी की गतिविधियाँ,बंगाल में ईस्ट इंडिया कंपनी,युद्ध की ओर,प्लासी का युद्ध,कंपनी के अफसरों का लक्ष्य,कंपनी का फैलता साम्राज्य,शेर-ए-मैसूर टीपू सुल्तान।	14 -21	2.इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी कैसे सबसे प्रभावशाली शक्ति बन गई बताते हैं|
				द्वितीय	मराठों के साथ संघर्ष,सर्वोच्चता का दावा,विलय का सिध्दांत,नये शासन की व्यवस्था,कंपनी की सेना,झारखंड में कंपनी का प्रवेश।अभ्यास एवं पुनरावृति।	22 -28	
				तृतीय	कंपनी की आय,अंग्रेजों की भू-राजस्व व्यवस्था,स्थायी बंदोबस्ती के दोष,महालवाड़ी व्यवस्था	29 -33	3.देश के विभिन्न क्षेत्रों में औपनिवेशिक कृषि नीतियों के प्रभाव में अंतर बताते हैं जैसे नील विद्रोह।
				चतुर्थ	रैयतवाड़ी व्यवस्था,व्यवसायिक फसलों पर जोर,भारत में नील उत्पादन,ब्रिटेन की बढ़ती दिलचस्पी,नील की निज खेती में परेशानी,रैयती जमीन पर खेती,नील विद्रोह	33 -39	
			अगस्त	प्रथम	कैसे होता था नील का उत्पादन,अभ्यास ,पुनरावृति।	40 -43	
4	उपनिवेशवाद एवं आदिवासी समाज	44 से 56		द्वितीय	मानचित्र,जनजातीय समूह किस प्रकार की आजीविका में संलग्न थे।	44 -48	4. 19वीं शताब्दी में विभिन्न आदिवासी समाजों के रूपों और पर्यावरण के साथ उनके संबंधों का वर्णन करते हैं।
				तृतीय	19 वीं सदी में आदिवासियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में परिवर्तन ,वन कानून और उनके प्रभाव।	48-51	5.आदिवासी समुदायों के प्रति औपनिवेशिक प्रशासन की नीतियों की व्याख्या करते हैं।

				चतुर्थ	व्यापार की समस्या,काम की तलाश,आदिवासी विद्रोह,बिरसा मुण्डा का उलगुलान,संथाल विद्रोह,खरवार विद्रोह।	51-54	
			सितंबर	प्रथम	अभ्यास ,पुनरावृति।	55-56	
5	शिल्प और उद्योग	57 से 74		द्वितीय	भारतीय कपड़े और विश्व बाज़ार,यूरोप के बाज़ारों में भारतीय कपड़े,बुनकर कौन थे,भारतीय कपड़े का पतन	57-64	6. औपनिवेशिक काल के दौरान पहले से मौजूद शहरी केंद्रों और हस्तशिल्प उद्योगों के पतन और नए शहरी केंद्रों और उद्योगों के विकास का विश्लेषण करते हैं।
				तृतीय	सूती कपड़ा मिलों का उदय,टीपू सुल्तान की तलवार और वुट्ज़ स्टील गाँवों की उजड़ी हुई भट्टियाँ	64 -69	
				चतुर्थ	एक व्यापक उद्योग हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन	69 -72	
			अक्टूबर 2023	प्रथम	अभ्यास ,पुनरावृति।	73-74	
6	1857 की क्रांति	75 से 89		द्वितीय	1857 ई.की क्रांति के कारण	75 -79	7.1857 के विद्रोह की शुरुआत प्रकृति और फैलाव और इससे मिले सबक का वर्णन करते हैं।
				तृतीय	1857 की क्रांति का आरंभ और प्रसार,विद्रोह का स्वरुप,विद्रोह का अंत	79-83	8.झारखंड में 1857 के विद्रोह की शुरुआत, फैलाव व प्रभाव का वर्णन करते हैं।
				चतुर्थ	क्यों असफल रहा विद्रोह,विद्रोह के परिणाम,1857 ई.की क्रांति एवं झारखंड, अभ्यास ,पुनरावृति।	83 -89	
7	ब्रिटिश काल में शिक्षा	90 से 101	नवंबर	प्रथम	प्राच्यवाद की परंपरा,व्यवसाय के लिए शिक्षा -वुड्स डिस्पैच	90-94	9. भारत में नई शिक्षा प्रणाली के संस्थानीकरण के बारे में बताते हैं।
				द्वितीय	स्थानीय पाठशालाओं पर ब्रिटिश ज्ञान का क्या प्रभाव पड़ा,एक ग्रामीण पाठशाला	94-95	
				तृतीय	अंग्रेजी शिक्षा का प्रभाव,झारखंड में मिशनरीज शैक्षणिक संस्थान,टैगोर का शांति निकेतन	95 -99	
				चतुर्थ	अभ्यास ,पुनरावृति।	100 -101	
8	महिलाओं की स्थिति में सुधार	102 से 113	दिसंबर	प्रथम	प्राचीन काल में महिलाओं की स्थिति,बदलाव की सुगबुगाहट	102 -104	10.महिला, विधवा पुनर्विवाह, बाल विवाह, सामाजिक सुधार से जुड़े औपनिवेशिक प्रशासन के कानूनों और नीतियों का विश्लेषण करते हैं
				द्वितीय	सती प्रथा का अंत,विधवा पुनर्विवाह,बाल विवाह	105 - 107	
				तृतीय	शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के बढ़ते कदम	108 -111	
				चतुर्थ	अभ्यास ,पुनरावृति।	112 -113	

9	जाति व्यवस्था की चुनौतियाँ	114 से 125	जनवरी	प्रथम	सामाजिक जीवन में जाति व्यवस्था,समाज सुधार के प्रयास,समानता और न्याय की माँग,ज्योतिराव फुले और गुलामगीरी	114 -119	11. जाति,सामाजिक सुधार से जुड़े औपनिवेशिक प्रशासन के कानूनों और नीतियों का विश्लेषण करते हैं
				द्वितीय	मंदिरों में प्रवेश के लिए आन्दोलन,गैर ब्राह्मण आन्दोलन,सुधारों के लिए संगठित होना	119 -123	
				तृतीय	अभ्यास ,पुनरावृति।	124 -125	
10	राष्ट्रीय आंदोलन	126 से 145		चतुर्थ	राष्ट्रवाद का उदय ,राष्ट्रीय आंदोलन के चरण,बंगाल का विभाजन,द्वितीय चरण 1905 -1919,तृतीय चरण 1919 - 1947	126 -133	12. 1857 के दशक से लेकर आजादी तक भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की रूपरेखा तैयार करते हैं।
			फरवरी	प्रथम	रॉलेट एक्ट,जलियाँवाला बाग हत्याकांड,खिलाफत आंदोलन और असहयोग आंदोलन,असहयोग आंदोलन के बाद ,सविनय अवज्ञा आंदोलन	133 -137	13. राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलावों का विश्लेषण करते हैं।
				द्वितीय	भारत छोड़ो आंदोलन ,स्वतंत्रता और विभाजन,सविनय अवज्ञा एवं भारत छोड़ो आंदोलन के समय झारखंड,विभाजन के बाद,स्वतंत्रता संघर्ष में महिलाएँ,सुभाष चंद्र बोस,टाना भगत का आंदोलन,रामगढ़ अधिवेशन -1940	137 -143	
				तृतीय	अभ्यास ,पुनरावृति।	144-145	
11	झारखंड में हॉकी	146 से 157		चतुर्थ	हॉकी की शुरुआत,भारत में हॉकी	146-148	13.राष्ट्रीय खेल हॉकी से अवगत होते है।
			मार्च	प्रथम	हॉकी का प्रसार ,हॉकी के प्रारंभिक दिन,हॉकी स्टिक का जुगाड़	149 -152	14 . भारत एवं झारखंड में इसके विकास तथा प्रमुख खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।
				द्वितीय	झारखंड के हॉकी खिलाड़ी,जयपाल सिंह मुंडा,महिला हॉकी में झारखंड	152- 155	
				तृतीय	अभ्यास ,पुनरावृति।	156 -157	
12	पुनरावृत्ति और वार्षिक परीक्षा			चतुर्थ	पुनरावृत्ति		
			अप्रैल -2024	प्रथम			
				द्वितीय	योगात्मक मूल्यांकन -2		
				तृतीय			